1. भाषा और व्याकरण

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. भाषा के दो रूप हैं।
2. व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध लिखना, पढ़ना और बोलना सिखलाता है।

(ख) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. भाषा कहते हैं– (ग) विचारों के आदान-प्रदान को ✓
2. मौखिक भाषा कहते हैं– (क) बोलकर विचार प्रकट करने को ✓
3. लिखित भाषा कहते हैं– (ग) लिखकर विचार प्रकट करने को ✓
4. भाषा को लिखने का ढंग कहलाता है– (क) लिपि ✓
5. भाषा को शुद्ध लिखना, पढ़ना और बोलना सिखलाता है– (घ) भाषा का व्याकरण ✓

(ग) नीचे दिए चित्रों में भाषा का कौन-सा रूप दिखाई दे रहा है? सही उत्तर पर सही का चिह्न (✓) लगाइए।

लिखित ✓

लिखित ✓

2. वर्ण और वर्णमाला

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर होते हैं। 2. क्ष, त्र, ज्ञ और श्र संयुक्त व्यंजन हैं।

(ख) पेड़ पर लिखे स्वर और व्यंजन को पहचानकर अलग-अलग फूलों में लिखिए।

स्वर – अ इ ई उ ऋ ए ओ औ

व्यंजन – क ग घ च प थ श ह

(ग) नीचे लिखे अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाइए।

1. क्षत्रिय 2. बादल 3. खरगोश 4. मछली

(घ) नीचे लिखे शब्दों के वर्ण अलग-अलग कीजिए।

1. कमल – क् + अ + म् + अ + ल् + अ
2. गमला – ग् + अ + म् + अ + ल् + आ
3. काजल – क् + आ + ज् + अ + ल् + अ
4. माला – म् + आ + ल् + आ
5. मकान – म् + अ + क् + आ + न् + अ

(ङ) संयुक्त व्यंजनों से बना एक-एक शब्द लिखिए।

1. क्ष – कक्षा 2. त्र – नेत्र 3. ज्ञ – आज्ञा 4. श्र – श्रम

(च) (ं), (ँ) और (ॅ) का प्रयोग करके दो-दो शब्द लिखिए।

1. (ं) – चंद्रमा शंख 2. (ँ) – आँगन हँस 3. (ॅ) – डॉक्टर मॉल

(छ) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. वर्ण को **अक्षर** भी कहते हैं।
2. वर्णों के **समूह** को वर्णमाला कहते हैं।
3. वर्णों में स्वरों की संख्या **ग्यारह** है।
4. वर्णों में व्यंजनों की संख्या **तैंतीस** है।
5. व्यंजन वर्ण सदैव **स्वर** की सहायता से बोले जाते हैं।

(ज) नीचे दी गई शब्द-रेल को पूरा कीजिए। ध्यान रहे, प्रत्येक शब्द के अंतिम वर्ण से अगला शब्द बनेगा।

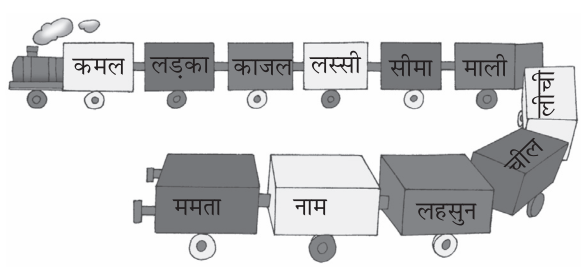

3. मात्रा ज्ञान

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती है।
2. 'औ' की मात्रा व्यंजन के साथ ऊपर की ओर वर्ण के बाद जुड़ती है।
3. व्यंजनों के साथ मात्रा वर्ण के पीछे-आगे, नीचे-ऊपर तथा वर्ण के पीछे मध्य में भी जुड़ती है।

(ख) नीचे दी गई मात्राओं का प्रयोग करते हुए तीन-तीन शब्द लिखिए।

ा	ि	ी
अचार	किताब	मीठा
रात	चिड़िया	पपीता
कागज़	हिरन	बकरी

ु	ू	ो
चुहिया	चूहा	कोयल
गुलाब	जूता	टोपी
रुपया	सूरज	घोड़ा

(ग) (ं) या (ँ) की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

गाँव	अंडा	मंदिर	बंदर	दाँत	घंटा
आँख	साँप	मुँह	झंडा	पतंग	रंग

(घ) चित्र के नीचे दिए गए नामों में उचित वर्ण पर मात्राएँ लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

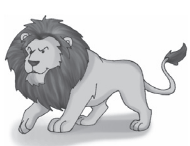
शेर

कोयल

खरगोश

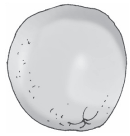
अमरूद

गिलहरी

बिल्ली

(ङ) 'र' में 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा लगाकर दो-दो शब्द बनाइए।

1. र + उ की मात्रा (ु) रुपया गुरु
2. र + ऊ की मात्रा (ू) रूप ज़रूर

(च) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. मात्रा कहते हैं– (ख) व्यंजन के साथ स्वरों के चिह्नों को मिलाना
2. 'र' में 'उ' की मात्रा का सही रूप है– (क) रु
3. 'र' में 'ऊ' की मात्रा का सही रूप है– (क) रू

4. संज्ञा

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी तथा स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा।

(ख) वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों को छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए।

1. करण पुस्तक पढ़ रहा है।	करण	पुस्तक
2. ताजमहल आगरा में है।	ताजमहल	आगरा
3. पिता जी अखबार पढ़ रहे हैं।	पिता जी	अखबार
4. माँ रामायण पढ़ रही हैं।	माँ	रामायण

(ग) नीचे दिए गए चित्र को देखकर आठ संज्ञा शब्द लिखिए।

रेल कुली फल लड़की लड़का बैग औरत घड़ी

(घ) नीचे दिए गए रिक्त स्थान पर तीन-तीन संज्ञा शब्द लिखिए।

व्यक्तियों के नाम	वस्तुओं के नाम	स्थानों के नाम	भावों के नाम
सचिन तेंदुलकर	कुरसी	मुंबई	खुशी
राधा	खरबूजा	नैनीताल	थकान
लक्ष्मीबाई	पुस्तक	कनाडा	गुस्सा

(ङ) चित्रों की सहायता से शब्द-जाल को संज्ञा शब्दों से भरिए।

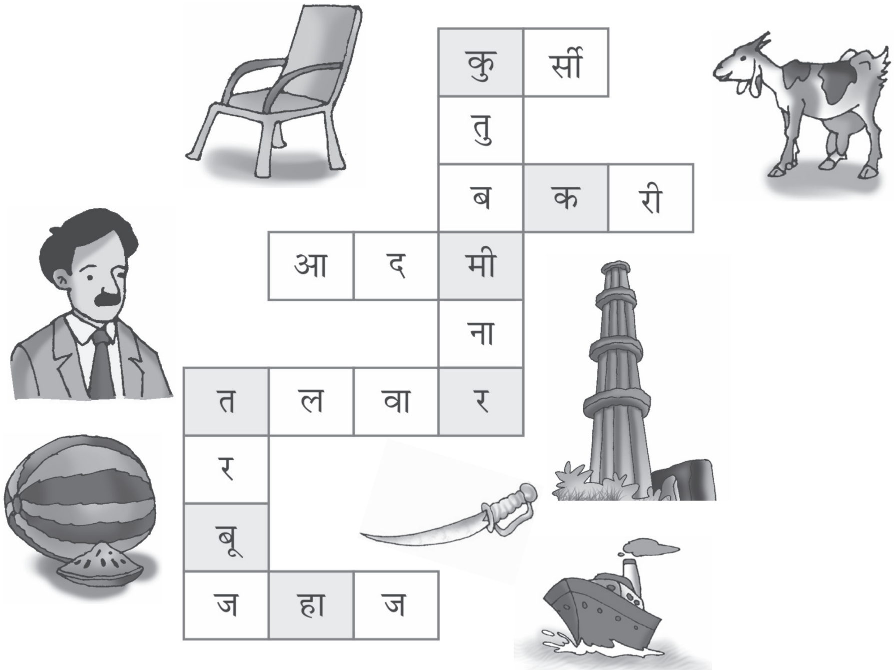

5. लिंग

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. लिंग से हम जान पाते हैं कि प्राणी या वस्तु पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का।
2. लिंग के दो भेद हैं।

(ख) रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर खाली स्थान भरिए।

1. हमारे स्कूल में शिक्षक और **शिक्षिका** दोनों पढ़ाते हैं।
2. दादा जी सैर करने गए हैं और **दादी जी** घर पर पूजा कर रही हैं।
3. मोर नाच रहा है तथा **मोरनी** उसे देख रही है।
4. मदारी बंदर और **बंदरिया** का खेल दिखा रहा है।

(ग) नीचे दिए गए शब्दों में से पुल्लिंग शब्दों के नीचे रेखा खींचिए।

<u>गधा</u>	<u>पानी</u>	<u>पेड़</u>	<u>फूल</u>	टेबल
कुर्सी	हवा	चम्मच	पुस्तक	कलम
<u>पिता</u>	बहन	<u>भाई</u>	अध्यापिका	<u>मामा</u>

(घ) रंगीन शब्दों के विपरीत लिंग लिखिए।

1. शेर ज़ोर से दहाड़ा।	शेरनी
2. जंगल में मोर नाचा।	मोरनी
3. नायिका मंच पर आई।	नायक
4. नौकरानी बर्तन माँज रही है।	नौकर
5. गाय हमारी माता है।	बैल

(ङ) चित्रों को देखकर उनके नाम उचित स्थान पर लिखिए।

		पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
		बैल	गाय
		राजा	रानी
		लड़का	लड़की
		धोबी	धोबिन

6. वचन

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा का वह रूप जिससे उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, वचन कहलाता है।
2. वचन के दो भेद हैं– एकवचन और बहुवचन।

(ख) एकवचन तथा बहुवचन शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
कपड़ा	वस्तुएँ	कहानी	बातें
गमला	बेटे	पुस्तक	कुरते
नदी	गुड़ियाँ	कुत्ता	कथाएँ
माला	महिलाएँ	झंडा	गायें

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।

	एकवचन	बहुवचन		एकवचन	बहुवचन
1.	ठेला	ठेले	5.	कमरा	कमरे
2.	बच्चा	बच्चे	6.	केला	केले
3.	लता	लताएँ	7.	पौधा	पौधे
4.	बेटी	बेटियाँ	8.	मक्खी	मक्खियाँ

(घ) दिए गए चित्रों के नाम लिखिए।

एक लड़की

पाँच लड़कियाँ

एक घड़ा

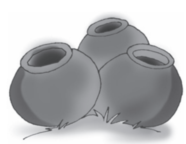

तीन घड़े

एक मछली

दो मछलियाँ

7. सर्वनाम

अभ्यास

(क) पूछे गए सर्वनाम शब्दों के दो-दो उदाहरण बताइए।

1. मैं, मेरा, मेरी, मुझे, हमारा, अपना, अपनी आदि।
2. तू, तुम, आप, तुम्हारा, तुम्हारी आदि।
3. वह, वे उसका, उसकी, उनका, उन्हें आदि।

(ख) वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए।

1. मैं पढ़ रहा हूँ। — मैं
2. आप घर कब लौटेंगे? — आप
3. तुम कहाँ जा रहे हो? — तुम
4. मुझे दादा जी को बुलाना है। — मुझे
5. उन्होंने अतिथि का इंतज़ार किया। — उन्होंने

(ग) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. सर्वनाम को **सबका नाम** कहते हैं।
2. सर्वनाम का प्रयोग **संज्ञा** के स्थान पर होता है।

(घ) नीचे दिए शब्द-जाल में से दस सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।

तु	म	उ	र	ज	न	आ
ग	ख	न	वे	छ	व	ड
र	मैं	का	च	आ	ह	मे
उ	ठ	घ	त	प	झ	रा
ञ	स	उ	ई	ण	ऊ	स
मु	झ	को	थ	ह	इ	व
झे	ज	द	ध	म	ढ	स

तुम	हम
मैं	उनका
मेरा	उस
वे	इस
मुझको	आप

8. विशेषण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित संज्ञा शब्दों की कोई दो-दो विशेषताएँ लिखिए।

1. दादा जी – वृद्ध, अनुभवी
3. पड़ोसी – अच्छे, सहयोगी
2. माता जी – सुंदर, सहनशील
4. पिता जी – मेहनती, ईमानदार

(ख) दिए गए चित्रों के नीचे उनके नाम और एक-एक विशेषता लिखिए।

गुलाबी कमल

काला कुत्ता

बड़ा कोट

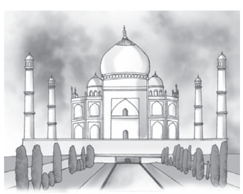
सफ़ेद ताजमहल

कड़वा करेला

मोटा लड़का

(ग) पोटली में से सही विशेषण शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।

1. उसका घर **सुंदर** है।
2. नौकर **दो किलो** चीनी लाया।
3. मेरा कक्षा में **प्रथम** स्थान आया है।
4. **गोल** मेज़ पर पुस्तकें रखो।
5. उसके बाल **घने** हैं।
6. मेरी गाड़ी **सफ़ेद** रंग की है।

(घ) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग)

(ङ) चित्रों को उनके उचित दो विशेषणों के साथ जोड़िए।

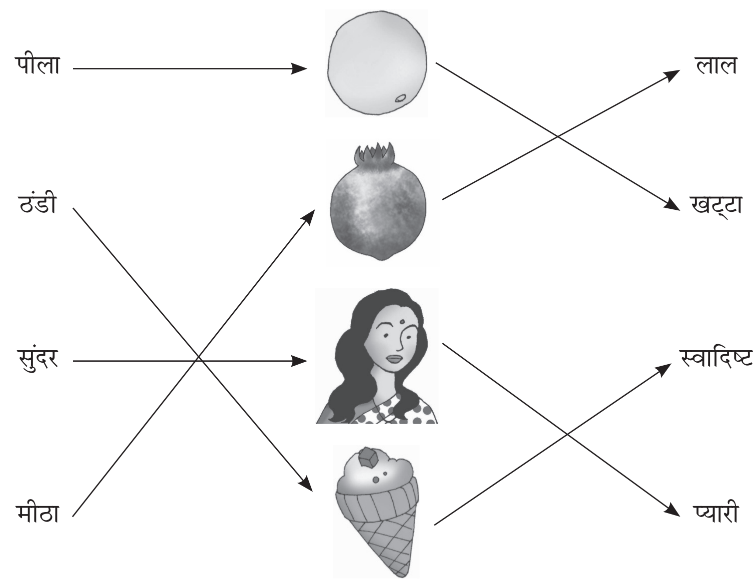

9. क्रिया

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।
2. जो काम करता है, वह कर्ता होता है।

(ख) नीचे लिखे क्रिया शब्दों को उचित वाक्यों के साथ जोड़िए।

कूद रही है   उड़ा रहा है   बरस रहा है   टिमटिमा रहे हैं

रवि पतंग उड़ा रहा है।

पानी बरस रहा है।

तारे टिमटिमा रहे हैं।

लड़की रस्सी कूद रही है।

(ग) नीचे दिए शब्दों में जो शब्द क्रिया नहीं हैं, उनके नीचे रेखा खींचिए।

हँसना	खाना	नया	कूदना	पीना
पढ़ना	तौलना	फल	खेलना	पुराना
लिखना	चमकना	जाना	आना	करना

(घ) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. (घ) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग)

(ङ) कोष्ठक में से उचित क्रिया शब्द छाँटकर वाक्यों को पूरा कीजिए।

1. माँ चाय **बनाती हैं**। (बनाती हैं / बनाया)
2. चिड़िया **उड़ती है**। (उड़ा / उड़ती है)
3. बच्चे मैदान में **खेलते हैं**। (खेलते हैं / खेला)
4. पानी **बहता है**। (उड़ता है / बहता है)

(च) चित्रों की सहायता से उचित क्रियाओं का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए।

रवि विद्यालय जा रहा है।

मालती सो रही है।

महेश नहा रहा है।

10. विलोम शब्द

अभ्यास

(क) कोष्ठक में से उचित विलोम शब्द पहचानकर दिए गए रिक्त स्थान में लिखिए।

1. अच्छा	×	बुरा	(गंदा / बुरा)
2. कायर	×	वीर	(वीर / कमज़ोर)
3. स्वतंत्र	×	परतंत्र	(परतंत्र / गुलाम)
4. सजीव	×	निर्जीव	(अजीब / निर्जीव)
5. हँसना	×	रोना	(हँसोड़ / रोना)

(ख) नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

1. मूर्ख	×	विद्वान	5. आरंभ	×	अंत
2. पूरब	×	पश्चिम	6. काला	×	सफ़ेद
3. धनी	×	निर्धन	7. मौखिक	×	लिखित
4. अपना	×	पराया	8. शांत	×	अशांत

(ग) उचित विलोम शब्द के साथ जोड़ा मिलाकर उन्हें लिखिए।

1. उदय	नीचा	उदय	×	अस्त
2. पाप	उत्तर	पाप	×	पुण्य
3. पक्का	रात	पक्का	×	कच्चा
4. ऊँचा	पुण्य	ऊँचा	×	नीचा
5. प्रश्न	कच्चा	प्रश्न	×	उत्तर
6. दिन	अस्त	दिन	×	रात

(घ) रंगीन शब्दों के सही विलोम शब्द लिखकर वाक्यों को पूरा कीजिए।

1. सदैव **सच** बोलना चाहिए, **झूठ** नहीं।
2. कुछ प्रश्न **सरल** हैं तो कुछ **कठिन**।
3. भावेश **मोटा** है और दिनेश **पतला**।
4. जीवन में कभी **सुख** आता है तो कभी **दुख**।

(ङ) चित्र देखकर विलोम शब्द का जोड़ा बनाइए।

ऊपर × नीचे

11. समानार्थी शब्द

अभ्यास

(क) उस शब्द पर गोला लगाओ जो दिए हुए चित्र का नाम नहीं है।

खग
भूमि
पक्षी

लड़का
बालक
आदमी

अग्नि
आग
अनिल

पंकज
फूल
कमल

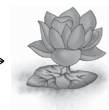

(ख) चित्रों को उनके उचित समानार्थी शब्दों से जोड़िए।

गृह सदन

फूल पुष्प

चाँद चंद्रमा

वृक्ष पेड़

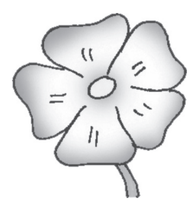

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द सामने लिखे वाक्यों में छिपे हैं। उन्हें रेखांकित करो और रिक्त स्थान में लिखिए।

1. लड़का	बालक	उसके बाल कनपटी तक बढ़ गए हैं।
2. आकाश	नभ	राजन भरत के साथ चला गया।
3. पानी	नीर	नानी रथ पर बैठी थीं।
4. हवा	पवन	अनूप वन में भटक गया।
5. सूरज	रवि	शंकर विमान पर चढ़ गया।

12. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास

(क) दिए गए एक शब्दों को उनके अनेक शब्दों से मिलाइए।

1. प्राचीन	जहाँ हम पढ़ने जाते हैं
2. श्रमिक	मीठा बोलने वाला
3. अभिनेता	जो पढ़ा-लिखा न हो
4. अनपढ़	जो श्रम करता हो
5. मृदुभाषी	अभिनय करने वाला
6. पाठशाला	पुराने ज़माने का

(ख) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. शहर में रहने वाला	(ग) शहरी
2. जो दूसरों का उपकार करे	(घ) परोपकारी
3. शाक-सब्ज़ी खाने वाला	(क) शाकाहारी
4. जो जल में रहता हो	(ग) जलचर
5. जो किसी से न डरे	(ख) निडर

(ग) नीचे दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके सामने अनेक शब्द और एक शब्द लिखिए।

	अनेक शब्द	एक शब्द
	मूर्ति बनानेवाला	मूर्तिकार
	लकड़ी का काम करने वाला	बढ़ई
	चित्र बनाने वाला	चित्रकार
	शिकार करने वाला	शिकारी
	घोड़े पर सवारी करने वाला	घुड़सवार

13. सामान्य अशुद्धियाँ

अभ्यास

(क) अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए।

1.	बिमार	बीमार	9.	नाखुन	नाखून
2.	आर्शीवाद	आशीर्वाद	10.	कवी	कवि
3.	क्योंकी	क्योंकि	11.	इसिलिए	इसलिए
4.	आंख	आँख	12.	मैहमान	मेहमान
5.	जित	जीत	13.	प्रीय	प्रिय
6.	झनडा	झंडा	14.	चिड़ीया	चिड़िया
7.	ग्रहकार्य	गृहकार्य	15.	रूपया	रुपया
8.	प्रान	प्राण	16.	शत्रू	शत्रु

(ख) अशुद्ध वर्तनी वाले शब्दों के सामने गलत का चिह्न (✗) तथा शुद्ध वर्तनी वाले शब्दों के सामने सही का चिह्न (✓) लगाइए।

1.	डालि	✗	बगिचा	✗	पौधा	✓
2.	फूल	✓	आनदं	✗	शरिर	✗
3.	तीरंगा	✗	प्रत्येक	✓	राषट्र	✗
4.	मित्र्	✗	हौली	✗	पूजा	✓
5.	कक्षा	✓	मोति	✗	अचछी	✗

(ग) दिए गए शब्दों में शुद्ध वर्तनी वाले शब्दों के नीचे रेखा खींचिए।

1. <u>अध्यापिका</u>   अधयापिका   अध्यापीका
2. जबाब   जबाव   <u>जवाब</u>
3. रास्ट्र   <u>राष्ट्र</u>   राश्ट्र
4. परिय   प्रीय   <u>प्रिय</u>
5. <u>दुर्जन</u>   दूर्जन   दुजर्न
6. मुर्ख   <u>मूर्ख</u>   मूंख
7. नीर्धन   र्निधन   <u>निर्धन</u>
8. परयाप्त   <u>पर्याप्त</u>   पर्यापत

(घ) अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

1.	गीता मेरा बहन है।	गीता मेरी बहन है।
2.	उसका बहन अच्छी है।	उसकी बहन अच्छी है।
3.	मेरा भाई लंबी है।	मेरा भाई लंबा है।
4.	आसमान में पतंग उड़ रहा है।	आसमान में पतंग उड़ रही है।
5.	माँ से खाना बना लिया।	माँ ने खाना बना लिया।
6.	तुम जल्दी चल।	तुम जल्दी चलो।
7.	मुझे खाना खानी है।	मुझे खाना खाना है।
8.	आज मेरा परीक्षा है।	आज मेरी परीक्षा है।

14. विराम-चिह्न

अभ्यास

(क) इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. पूर्ण विराम वाक्य के अंत में लगाया जाता है।
2. अल्पविराम का प्रयोग वाक्य में थोड़ी देर ठहरने के लिए होता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर फिर से लिखिए।

1. राम घर गया	**राम घर गया।**
2. मुझे आम केला और लीची पसंद हैं	**मुझे आम, केला और लीची पसंद है।**
3. तुम कब आए	**तुम कब आए?**
4. तुमने खाना खा लिया है	**तुमने खाना खा लिया है।**
5. चलो बैठ जाओ	**चलो, बैठ जाओ।**
6. मैं बाज़ार जाऊँगा	**मैं बाज़ार जाऊँगा।**
7. वहाँ कौन है	**वहाँ कौन है?**
8. रवि रमेश और विवेक कल आएँगे	**रवि, रमेश और विवेक कल आएँगे।**

(ग) यह प्रश्न बच्चों की अभिव्यक्ति के लिए है। अतः वे विराम-चिह्नों का वाक्य प्रयोग स्वयं करेंगे।

(घ) दिए गए वाक्यों में लगे गलत विराम-चिह्नों को हटाओ और सही विराम-चिह्न लगाकर फिर से लिखिए।

1. तुम्हारा क्या नाम है।	**तुम्हारा क्या नाम है?**
2. मुझे खाना खाना है?	**मुझे खाना खाना है।**
3. चलो। चलकर खेलें,	**चलो, चलकर खेलें।**
4. क्या यह तुम्हारा भाई है।	**क्या यह तुम्हारा भाई है?**
5. लगता है आज वर्षा होगी?	**लगता है, आज वर्षा होगी।**
6. दरवाज़े पर कौन खड़ा है।	**दरवाज़े पर कौन खड़ा है?**

15. मुहावरे

अभ्यास

(क) दिए गए मुहावरों को उनके अर्थ के साथ जोड़िए।

1. अँगूठा दिखाना	बहुत प्रसन्न होना
2. आँख लगना	बहुत खुशियाँ मनाना
3. फूला न समाना	नींद आना
4. घी के दीये जलाना	साफ़ मना कर देना

(ख) वाक्यों में प्रयोग किए गए मुहावरों को पहचानो और लिखिए।

1. **मुहावरा –** आँख का तारा
2. **मुहावरा –** कमर कसना
3. **मुहावरा –** हाथ बँटाना
4. **मुहावरा –** दंग रह जाना

(ग) दिए गए विकल्पों में से मुहावरों के सही अर्थ को चुनिए।

1. मुँह में पानी आना– (ग) ललचा जाना
2. नानी याद आना– (ग) मुश्किल लगना
3. आँखों का तारा– (घ) बहुत प्यारा
4. आपे से बाहर होना– (ख) बहुत गुस्सा होना
5. दाँत खट्टे करना– (घ) बुरी तरह हरा देना

(घ) चित्रों से संबंधित एक-एक मुहावरा लिखिए।

1. उल्लू बनाना

2. अँगूठा दिखाना

3. आँख लगना

16. चित्र वर्णन

चित्र देखकर यह बताना कि उसमें क्या-क्या हो रहा है, चित्र वर्णन कहलाता है। यह बहुत सरल विधा है जिसे बच्चे बड़ी रोचकता से लिखते हैं। चित्र वर्णन से बच्चों की अवलोकन क्षमता विकसित होती है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों से उसके बारे में बातचीत करें।
- ❖ पूछें, इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है। बच्चों के बताने के उपरांत पृष्ठ पर दिया चित्र वर्णन पढ़वाएँ।
- ❖ चित्र-वर्णन का थोड़ा-थोड़ा अंश सभी बच्चों से पढ़ने को कहें। बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए दृश्यों या चित्रों को दिखाकर बच्चों से जानें, वह चित्र कहाँ का दृश्य है तथा चित्र में कौन-क्या कर रहा है।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को बोलने का यथोचित अवसर तथा समय दें।
- ❖ बच्चों द्वारा बोले गए वर्णन को आठ-दस वाक्यों में लिखने को कहें।
- ❖ पाठ की रोचकता बनाए रखने के लिए बच्चों से बीच-बीच में बात करते रहें, जैसे– जब वे पिकनिक पर जाते हैं या किसी मॉल में तो वहाँ क्या-क्या करते या होते देखते हैं।
- ❖ सुनिश्चित करें कि बच्चे चित्र वर्णन करना सीख गए हैं।

17. कहानी लेखन

कहानी पढ़ना-सुनना सभी को बहुत भाता है। बच्चों को कहानी के माध्यम से बड़ी से बड़ी सीख सरलता से समझाई जा सकती है। बच्चे चित्रों को देखकर आसानी से कहानी समझ भी लेते हैं तथा चित्रों के माध्यम से कहानी बुनने का प्रयास भी कर लेते हैं। कहानी लेखन द्वारा बच्चों की इसी लेखन क्षमता को विकसित किया जाता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से भिन्न-भिन्न प्रकार की कहानियों के विषय में चर्चा करें।
- ❖ बताएँ, कहानियाँ कई तरह की होती हैं– पशु-पक्षियों की कहानी, परियों की कहानी, जादुई, डरावनी, आदि कहानी। उन्हें किस प्रकार की कहानियाँ पसंद हैं, जानने का प्रयास करें।
- ❖ पुस्तक में दी गई कहानी के चित्रों के बारे में बात करते हुए बच्चों को कहानी पढ़ने के लिए कहें।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए गए संकेत के आधार पर बच्चों से कहानी बनवाएँ। पहले मौखिक रूप में कहानी सुनें फिर पुस्तक में कहानी लिखवाएँ।
- ❖ इन कहानियों से क्या शिक्षा प्राप्त हुई, बच्चों से पूछें फिर उन्हें बताएँ।
- ❖ सभी बच्चों पर बराबर ध्यान दें। बच्चों की कल्पनाशक्ति का विकास करने के उद्देश्य से कहानी कहना (Story telling) प्रतियोगिता भी कक्षा में करवाई जा सकती है।

18. पत्र लेखन

पत्र द्वारा हम अपने मित्रों, रिश्तेदारों आदि का हालचाल पता करते हैं तथा उन तक अपना संदेश पहुँचाते हैं। पत्र संक्षिप्त या विस्तार से अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने का एक सरल माध्यम है। आजकल पत्रों का चलन कम हो गया है पर उनका महत्त्व आज भी उसी प्रकार बना हुआ है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पत्रों के बारे में बताएँ। बच्चों से पूछें कि क्या उनके घर कोई पत्र आता है या कोई पत्र लिखकर कहीं भेजता है।
- ❖ बच्चों से पूछें, यदि उन्हें किसी को पत्र लिखना हो तो वे किसे पहला पत्र लिखेंगे तथा पत्र में वे क्या लिखना चाहेंगे। यह सब मौखिक रूप से जानने के बाद बच्चों को पत्र लिखने का तरीका बताएँ।
- ❖ ब्लैकबोर्ड पर लिखते हुए बतलाएँ, पत्र लिखने के लिए सबसे पहले बाईं ओर अपना पता तथा पत्र की दिनांक लिखें। उसके बाद जिसे पत्र लिखा जा रहा है उसे संबोधित कीजिए। जैसे– यदि किसी बड़े को लिखें तो 'आदरणीय', 'पूजनीय' प्रणाम, नमस्कार आदि लिखें। और यदि किसी छोटे को पत्र भेज रहे हैं तो प्रिय, स्नेह आदि संबोधन लिखें।
- ❖ तदुपरांत उनका हालचाल पूछते हुए अपना हाल बताएँ तथा पत्र में अपनी बात लिखें।
- ❖ फिर अंत में प्रणाम करते हुए उनसे अपना संबंध प्रकट करते हुए अपना नाम लिखो।
- ❖ सुनिश्चित करें, बच्चे पत्र लिखना सीख गए हैं। उनसे कोई पत्र लिखवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए पत्र पढ़वाएँ।
- ❖ पत्रों के अभ्यास करवाने में बच्चों की सहायता करें।

19. अनुच्छेद लेखन

किसी विषय पर कम शब्दों में अथवा छोटे-छोटे वाक्यों में अपने विचार लिखना ही अनुच्छेद लेखन कहलाता है। भाषा की इस विधा द्वारा बच्चों के विचारात्मक कौशल तथा लेखन का विकास होता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कोई विषय दें। यह विषय बच्चों की आसपास की वस्तुओं या लोगों से जुड़ा हो सकता है।
- ❖ बच्चों को पाँच-दस मिनट का समय दें। फिर विषय पर कुछ वाक्यों या बच्चों के विचार बताने को कहें।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का भरपूर अवसर दें। उन्हें प्रोत्साहित करें। आरंभ में बच्चे घबराएँगे अथवा क्या बोलें यह नहीं समझ पाएँगे। ऐसे में आप उस विषय के बारे में कुछ प्रश्न पूछें बच्चे उसका उत्तर देंगे, इसी प्रकार वे उस विषय के प्रति अपने विचार प्रकट करने में सक्षम हो पाएँगे।
- ❖ बच्चों का हौसला बढ़ाएँ तथा उनकी झिझक दूर करने का प्रयास करते रहें।
- ❖ पाठ में दिए अनुच्छेद बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए अनुच्छेदों के संकेत बिंदुओं द्वारा अनुच्छेद लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।

20. अपठित बोध

अपठित का अर्थ है– जो पहले न पढ़ा हो। किसी भी कहानी, लेख का ऐसा अंश जो बच्चों ने अपनी पाठ्यपुस्तक में पहले नहीं पढ़ा होता, वह अपठित कहलाता है। ऐसे अंशों को अपठित बोध या अपठित गद्यांश कहा जाता है। इनके माध्यम से बच्चों की स्वयं समझकर उत्तर देने की प्रवृत्ति को विकसित किया जाता है।

- शिक्षक/शिक्षिका सर्वप्रथम पाठ पृष्ठ पर दिए अपठित बोध के उदाहरण को बच्चों से पढ़वाएँ। दो-तीन बार गद्यांश को पढ़वाने के उपरांत अब पहले मौखिक रूप में बच्चों से गद्यांश आधारित प्रश्न पूछें।
- प्रत्येक बच्चे को उत्तर देने का अवसर दें।
- विकल्प वाले प्रश्नों के विकल्प बताकर बच्चों से एक विकल्प चुनने को कहें।
- समझाएँ, इस प्रकार के गद्यांशों के उत्तर देते समय गद्यांश को भली-भाँति दो-तीन बार पढ़ना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर गद्यांश में ही छिपा होता है यह भी बताएँ।
- पाठ अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें।